आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 14-10-14

हमारे भारत के भाग्य-विधाता, परमात्मा शिव ने जिस भूमि पर आकर हम बच्चों को आत्मा, परमात्मा और सारी सृष्टि चक्र का सारा ज्ञान दिया, उस पवित्र भूमि - आबू के बारे में बाबा ने कहा, तुम्हें आबू की महिमा सबको बतानी ही हैं.

सारे भारत में कितने सारे तीर्थ-स्थान हैं और कई तो बहुत ऊंचाई पर भी हैं, वहॉ आने-जाने में लोगों को कितनी मेहनत पड़ती हैं. लेकिन फिर भी वहॉ जाने से भगवान तो मिलते नहीं, मुफ्त में टाइम और मनी दोनों वेस्ट होते हैं.

यहॉ आबू में हम भाग्यशाली बच्चों को स्वयं परमपिता-परमात्मा आकर ईश्वरीय ज्ञान और योग सिखला रहे हैं. जिसे हम आत्माये मनुष्य से देवता बन जाते हैं. परमात्मा को तो सब ऊंच ते ऊंच मानते भी हैं. अब जहॉ स्वयं परमात्मा आकर हम बच्चों को मिलते है उस स्थान की महिमा भी सबसे ऊंच ही होनी चाहिए.

आबू में बना देलवाड़ा मंदिर भी हमारे संगमयुग और सतयुग की यादगार हैं. मंदिर में रखी आदि-देव और अन्य मूर्तियॉं अभी के हमारे संगमयुग की यादगार है जहॉ हम ब्रह्मा बाप (जिसको आदि-देव भी कहा जाता हैं) और हम बच्चे परमात्मा की याद में तपस्या में बैठे हैं. यह भी हम जानते है कि हमारी अभी की तपस्या से ही इस धरती पर सतयुग स्थापन होना हैं और हमें ही सतयुग में पार्ट बजाने आना हैं. तो उसके यादगार के रुप में सतयुग के कुछ नजारे भी देलवाड़ा मंदिर में बताये हैं.

आबू ही श्रेष्ठ भूमि है कि जहॉ पर परमात्मा स्वयं आकर अपना पार्ट बजा रहे है और हमारे भारत को स्वर्ग बना रहे हैं. तो इस हिसाब से आबू ही सबसे ऊंच तीर्थ स्थान भी हैं.

आज की बाबा की मुरली से आबू पर कहे गये महावाक्यों को रिपिट कर उस पर और विचार-सागर-मंथन करेंगे तो किसी को भी हम आबू की महिमा समझा सकेंगे.

- बाप ने आबू कि महिमा पर समझाया हैं, इस पर ख्याल करना चाहिए. तुम्हारी बुद्धि में आना चाहिए तुम यहॉ बैठे हो. तुम्हारा यादगार देलवाडा मंदिर बना हैं कितने वर्ष बाद बना

हैं. कहते है १२५० वर्ष हुए (कलियुग के आदि में). अब फिर से कितने वर्ष बाद फिर बनेगा, ३७५० वर्ष बाद. तो बनाने वालों ने भी अभी संगमयुग की यादगार और वैकुण्ठ (सतयुग) का यादगार बनाया हैं.

- आबू की महिमा को अच्छी रिती सिद्ध करना ही हैं. तुम भी यहॉ बैठे हो. यहॉ ही बाप सारे विश्व को नर्क से स्वर्ग बना रहे हैं तो यही सबसे ऊंच ते ऊंच तीर्थ ठहरा.

- अभी बाबा आबू की कितनी महिमा करते हैं. सर्व तीर्थों में यह महान तीर्थ हैं.

- अब दुनिया को कैसे पता पड़े की यह सबसे ऊंच तीर्थ हैं. देलवाड़ा जैसा मंदिर शायद आस-पास और भी हो वह भी जाकर देखना चाहिए. कैसे बना हुआ है.

ॐ शांति.